जनपद में ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन(एस0डब्लू0एम0) के प्रचालन एवं रख–रखाव व्यवस्था का संक्षिप्त विवरण।

जनपद–बांदा

जनपद बांदा के कुल 469 ग्राम पंचायतो के 643 ग्रामो को वित्तीय वर्ष 2024–25 तक स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि प्राप्त हो चुकी है। सभी में कार्य प्रगति पर है। वित्तीय वर्ष 2026–27 हेतु कोई भी ग्राम स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण मद से धनराशि प्राप्त होने हेतु अवशेष नही है।

ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन इस कार्यक्रम के मुख्य घटको में से एक घटक है। गांव को स्वच्छ बनाने के लिए यह आवश्यक है कि आई0ई0सी0 सम्बन्धी गतिविधियों में ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन पर ध्यान केन्द्रित किया जाए जाकि आबादी के बीच इन क्रियाकलापो के लिए महसूस की गई आवश्यकता पैदा की जा सके। इससे अपशिष्ट के वैज्ञानिक निपटान के लिए तंत्र की स्थापना इस प्रकार होगी, जिसका आबादी पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है। समुदाय/ग्राम पंचायत को आगे आने और ऐसे तंत्र की मांग करने के लिए प्रेरित करना होगा जिसका उन्हे बाद में परिचालन एवं अनुश्रवण करना है। ग्राम पंचायत को स्वच्छ बनाये जाने हेतु प्रत्येक परिवारों को एस0डब्लू0एम0 के कार्यो से जोड़ा जा रहा है, ग्राम पंचायतों को खुले में कूड़ा–करकट से मुक्त करते हुऐ ग्राम पंचायतो को ओ0डी0एफ0 प्लस के अन्तर्गत स्वच्छ बनाये जाने का का कार्य किया जा रहा है।

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण फेज–2 एस0डब्ल्यू0एम0 योजनान्तर्गत ग्राम पंचायतो में कूडे–कचरे के निपटान के लिये कम्पोस्ट पिट, प्लास्टिक डम्पिंग यार्ड, खाद गड्ढा, भस्मक एवं कूड़ा एकत्रीकरण केन्द्र(आर0आर0सी0) का निर्माण कराया गया है एवं कूड़ा गाड़ी के माध्यम से डोर–टू–डोर कूडा कलेक्शन कर आर0आर0सी0 तक पहुॅचाने का कार्य ग्रामों में तैनात सफाई कर्मी के माध्यम से किया जा रहा है एवं आर0आर0सी0 पर कूड़े के पृथकरण का कार्य स्वयं सहायक समूह के महिलाओं द्वारा किया जा रहा है।

जनपद बांदा में कचरे का पृथक्करण करते हुए प्लास्टिक, पालीथीन को साफ कर पी0डब्लू0एम0यू0 केन्द्र प्रेषित कर बेलिंग व श्रेडिंग का कार्य किया जाता है। जनपद बांदा में सफाई कर्मियों को प्लास्टिक पालीथीन एकत्र करने हेतु प्रतिमाह 10 किलो का लक्ष्य प्राप्त करने के बाद ही पेरोल ब्लाक स्तर पर प्राप्त कर जनपद भेजा जाता है, तभी वेतन भुगतान होता है।